नवसर्जन संस्कृति

RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 118
दि. 28.08.2025,
गुरुवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : VINOD KUMARI Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.

Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

फिनलैंड के राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री मोदी को किया फोन, रूस-यूक्रेन जंग से जुड़ी ये अहम जानकारी दी

नई दिल्लीः (जीएनएस)। मंगलवार को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब के बीच फोन पर अहम बातचीत हुई। इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत और यूरोपीय संघ यानी कि एव के बीच मुक्त व्यापार समझौते को जल्द से जल्द पूरा करने पर जोर दिया। साथ ही, यूक्रेन में चल रहे संघर्ष को शांतिपूर्ण तरीके से हल करने और वहां जल्द अमन-चैन बहाल करने की बात कही।

'भारत की आवाज सुनी जाती है'

राष्ट्रपति स्टब ने पीएम मोदी को हाल ही में वॉशिंगटन में यूरोप, अमेरिका और यूक्रेन के नेताओं के बीच हुई बैठकों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करने के लिए एक न्यायपूर्ण और टिकाऊ हल निकालना सबके हित में है। स्टब ने कहा, 'भारत इस मामले में अहम भूमिका निभा

सकता है। दक्षिण, पश्चिम और पूर्व में भारत की आवाज सुनी जाती है और उसका सम्मान किया जाता है।'

पीएम मोदी ने भारत की ओर से यूक्रेन में शांति स्थापना के लिए हमेशा से किए जा रहे समर्थन को दोहराया। उन्होंने कहा कि भारत हर उस कोशिश का साथ देगा, जो शांतिपूर्ण तरीके से इस संघर्ष को खत्म करे और स्थिरता लाए।

और मजबूत होंगे भारत-एव के रिश्ते

बातचीत में भारत और यूरोपीय संघ के बीच रिश्तों को और गहरा करने पर भी चर्चा हुई। राष्ट्रपति स्टब ने भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते को जल्द पूरा करने के लिए फिनलैंड के समर्थन की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि यह समझौता दोनों पक्षों के लिए फायदेमंद होगा। इसके अलावा, स्टब ने 2026 में भारत में होने वाले एआई इम्पैक्ट समिट की सफलता के लिए भी फिनलैंड का पूरा समर्थन जताया।

पीएम मोदी ने कहा, 'फिनलैंड यूरोपीय संघ में हमारा एक अहम दोस्त है।

मुख्यमंत्री ने मिशन रोजगार के अन्तर्गत चयनित 2,425 मुख्य सेविकाओं तथा 13 फार्मासिस्टों को नियुक्ति-पत्र प्रदान किए

युवाओं को सही दिशा प्रदान करते हुए उन्हें राष्ट्र निर्माण में सहभागी बनाना प्रत्येक कल्याणकारी सरकार की जिम्मेदारी : मुख्यमंत्री

लखनऊ : 27 अगस्त, 2025 (जीएनएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि अपने सपने को साकार करने के लिए प्रत्येक प्रतिभाशाली व ऊजार्वान युवा हर सम्भव प्रयास करता है। वह स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को आगे बढ़ाने का काम करता है। युवाओं के सपनों को मंच प्रदान करने का दायित्व प्रत्येक लोकप्रिय सरकार का होता है। युवाओं को सही दिशा प्रदान करते हुए उन्हें राष्ट्र निर्माण में सहभागी बनाना प्रत्येक कल्याणकारी सरकार की जिम्मेदारी होनी चाहिए। आज 2,438 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्राप्त हो रहा है। इसमें आंगनवाड़ी केन्द्रों में कुपोषित माताओं और नवजात शिशुओं के लिए चल रहे पोषण अभियान की मॉनीटरिंग के लिए

2,425 मुख्य सेविकाएं तथा 13 फार्मासिस्ट सम्मिलित हैं।

मुख्यमंत्री जी आज यहां मिशन रोजगार के अन्तर्गत चयनित 2,425 मुख्य सेविकाओं तथा 13 फार्मासिस्टों को नियुक्ति-पत्र प्रदान करने के पश्चात आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जनपदों के युवाओं को अवसर प्राप्त हुआ है। इनमें आजमगढ़, अमरोहा, शामली, लखनऊ, कानपुर, आगरा, गोरखपुर, वाराणसी तथा प्रयागराज आदि जनपदों के युवा सम्मिलित हैं। इन जनपदों में युवाओं के पास पर्याप्त संसाधन हैं, लेकिन प्रदेश के सुदूर जनपदों में रहने वाली बेटियों तथा जनपद लखीमपुर खीरी में दुधवा नेशनल पार्क के जंगलों के बीच रहने वाली थारू जनजाति की बेटियों का सफल होना चयन की निष्पक्ष व पारदर्शी प्रक्रिया का उदाहरण प्रस्तुत करता है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश की बेटियां चयनित होकर शासन की व्यवस्था का हिस्सा बन रही हैं।

संक्षिप्त समाचार

वंदेभारत ट्रेन सेवा से मेरठ से अयोध्या और काशी का सफर आसान, पहले दिन इतने यात्रियों ने किया सफर

मेरठ से वाराणसी के बीच वंदेभारत ट्रेन की शुरूआत ने यात्रियों का इंतजार खत्म कर दिया है। सुबह 6:35 बजे मेरठ से रवाना हुई यह ट्रेन

शाम 6:25 बजे वाराणसी पहुंची। पहले ही दिन काफी संख्या में यात्रियों ने इस ट्रेन से सफर किया। रेलवे ने इस नई सेवा को लेकर कहा है कि यात्रियों की सुविधा के लिए इसे अयोध्या, लखनऊ और बरेली जैसे बड़े स्टेशनों पर ठहराव दिया गया है।

रायबरेली में मौर्य समाज का शांतिपूर्ण प्रदर्शन, 48 घंटे में गिरफ्तारी न होने पर विधानसभा घेराव की चेतावनी

अखिल भारतीय मौर्य महासभा फतेहपुर की टीम ने की सहभागिता

असोथर फतेहपुर (जीएनएस)। अखिल भारतीय मौर्य महासभा के आह्वान पर मंगलवार को रायबरेली में मौर्य समाज के लोगों ने शांतिपूर्वक प्रदर्शन किया। अखिल भारतीय मौर्य महासभा फतेहपुर इकाई के प्रदेश महासचिव फूल सिंह मौर्य और जिलाध्यक्ष अजय सिंह मौर्य के नेतृत्व में जिले की टीम ने इस आंदोलन में भागीदारी की। रायबरेली जिला अध्यक्ष अभिषेक मौर्य की अगुवाई में बड़ी संख्या में मौर्य समाज, कुशवाहा, सैनी और शाक्य समाज के लोग कलेक्ट्रेट परिसर के रास्ते तक ही मार्च कर ज्ञापन देने पहुंचे।

ज्ञापन सौंपने के दौरान प्रशासन ने कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचने वाले रास्ते में प्रवेश से रोकने की कोशिश की, जिस पर लोगों ने नाराजगी जताई। बाद में मौके पर पहुंचे सिटी मजिस्ट्रेट व एडिशनल एसपी संजीव सिन्हा ने जिला अध्यक्ष अभिषेक मौर्य से ज्ञापन लिया और आश्वासन दिया कि 48 घंटे के भीतर आशीष तिवारी की गिरफ्तारी कर ली जाएगी।

जिलाध्यक्ष अभिषेक मौर्य ने कहा कि यदि निर्धारित समय में गिरफ्तारी नहीं होती है तो न केवल रायबरेली बल्कि पूरे प्रदेश और देशभर के मौर्य समाज के लोग लखनऊ पहुंचकर विधानसभा का घेराव करेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी अप्रिय स्थिति की जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी।

मीडिया से बातचीत में मौर्य महासभा के नेताओं ने उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य से भी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि उपमुख्यमंत्री की ओर से अब तक आशीष तिवारी द्वारा मौर्य समाज, चंद्रगुप्त मौर्य और सम्राट अशोक के खिलाफ की गई अभद्र टिप्पणी पर कोई प्रतिक्रिया न आना दुखद है। महासभा ने मांग की है कि सरकार आशीष तिवारी पर देशद्रोह का मुकदमा दर्ज करे और उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए बुलडोजर भी चलवाए।

नेताओं ने कहा कि मौर्य समाज संविधान में विश्वास रखता है और संवैधानिक तरीके से अपनी बात रख रहा है। यदि समय पर कार्रवाई नहीं हुई तो समाज शांत नहीं बैठेगा।

इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष धुन्नी मौर्य, जिला प्रभारी सुनील मौर्य, फतेहपुर मीडिया प्रभारी नरसिंह मौर्य, एडवोकेट शिवधेश मौर्य, रामप्रकाश मौर्य, दुर्गेश मौर्य, आलोक मौर्य, धर्मप्रकाश मौर्य, जितेंद्र मौर्य, राहुल मौर्य, रायबरेली जिला महासचिव अशोक मौर्य, भीम युवा संगठन अध्यक्ष देवेंद्र भीमराज मौर्य, मौर्य बंधुत्व क्लब अध्यक्ष संजय मौर्य, समाज सेविका प्रतिमा मौर्य समेत हजारों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

डिब्बे में सांप लेकर जिला अस्पताल पहुंच गए.डॉक्टरों ने जब डिब्बे में सांप देखा तो महिला को तुरंत एडमिट कर उसका इलाज शुरू किया

(जीएनएस)। बांदा -उत्तर प्रदेश के बांदा जिले में एक अजीब मामला सामने आया है. यहां महिला के परिजन डिब्बे में सांप लेकर जिला अस्पताल पहुंच गए.डॉक्टरों ने जब डिब्बे में सांप देखा तो महिला को तुरंत एडमिट कर उसका इलाज शुरू कर दिया. बताया जा रहा है कि महिला घर में मिट्टी समेट रही थी।उसी बीच एक सांप ने उसे डस लिया. घर वालों ने सांप को भागने नहीं दिया बल्कि तुरंत उसे

पकड़कर डिब्बे में भर लिया. डिब्बे में भरे सांप को लेकर परिजन डॉक्टरों के पास पहुंच गए।

आपको बता दे की पूरा मामला बांदा जनपद के चिल्ला थाना क्षेत्र के दतरौली गांव से सामने आया है जहां की रहने वाली इन्द्रानी (32) पत्नी रेखराज सुबह 10 बजे महिला घर के बाहर पड़ी हुई मिट्टी को समेट रही थी,जैसे ही महिला ने मिट्टी समेटने का काम शुरू किया उसी समय सर्प ने काट लिया,महिला की चीख सुनते ही परिजन इकठ्ठा हो गए,भीड़ भाड़ देख सांप वहां से भागने लगा,उन्होंने सांप पकड़ने की कोशिश शुरू कर दी,कुछ देर की मशक्कत के बाद परिजनों ने सांप को पकड़ लिया और उसे एक डिब्बे में बंद करके उसे पहले तिंदवारी सीएचसी लेकर पहुंचे जहां पर डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार करने के बाद हालत गंभीर देखते हुए उसे जिला अस्पताल रिफर कर दिया,डॉक्टर ने महिला को भर्ती कर लिया है और इलाज शुरू कर दिया है।

जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के राष्ट्रीय अध्यक्ष 'कुंवर रघुराज प्रताप सिंह' राजा भइया जोरदार स्वागत

जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के राष्ट्रीय जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के राष्ट्रीय अध्यक्ष माङ्ग श्री कुंवर रघुराज प्रताप सिंह "राजा भइया" अध्यक्ष माङ्ग श्री कुंवर रघुराज प्रताप सिंह "राजा भइया" जी के निदेर्शानुसार आज जिला सीतापुर की समीक्षा बैठक पीङ्गडब्लूङ्गडीङ्ग गेस्टहाउस, सीतापुर में संपन्न हुई ।

इस मौके पर जिले के समस्त पदाधिकारीगण भारी संख्या में मौजूद रहे ।

समीक्षा बैठक में माङ्ग श्री कुंवर अक्षय प्रताप सिंह "गोपाल भइया" जी (नेता जनसत्ता दल विधान परिषद एवं पूर्व सांसद प्रतापगढ़) के साथ जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के राष्ट्रीय महासचिव श्री डॉङ्ग कैलाशनाथ ओझा जी, प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक बाबागंज श्री विनोद सरोज जी, प्रदेश प्रधान महासचिव श्री बृजेश सिंह राजावत जी, प्रदेश महासचिव श्री राणा अजय सिंह जी, प्रदेश अध्यक्ष (युवा प्रकोष्ठ) श्री बलबीर सिंह "शिवाजी", जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि एवं मंडल अध्यक्ष श्री कुलदीप पटेल जी, सदस्य कार्यकारिणी एवं प्रदेश कार्यालय प्रभारी श्री हितेश प्रताप सिंह पंकज जी अभिषेक ठाकुर आदि गणमान्य जन मौजूद रहे

कैबिनेट ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 के लिए बोली लगाने को दी मंजूरी, खेल मंत्रालय ने पेश किया था प्रस्ताव

(जीएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की मेजबानी के लिए भारत की बोली लगाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यह प्रस्ताव युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय द्वारा पेश किया गया था।

मंत्रिमंडल ने यह भी स्वीकृति दी है कि यदि भारत की बोली सफल होती है, तो सरकार द्वारा होस्ट कोलैबोरेशन एग्रीमेंट (ल्रउअ) पर हस्ताक्षर किए जाएंगे, सभी संबंधित मंत्रालयों और विभागों से आवश्यक गारंटी ली जाएगी और गुजरात सरकार को आवश्यक वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी ताकि खेलों का सफल आयोजन सुनिश्चित किया जा सके।

अगर कॉमनवेल्थ गेम्स भारत को मिलते हैं, तो पिछले 20 साल में दूसरी बार मेजबानी होगी। इससे पहले भारत ने कॉमनवेल्थ गेम्स का आयोजन साल 2010 में दिल्ली में किया गया था। उस समय कांग्रेस की सरकार थी।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 में 72 देशों के एथलीट हिस्सा लेंगे। इस बड़े आयोजन के दौरान हजारों खिलाड़ी, कोच, तकनीकी अधिकारी, पर्यटक और मीडिया प्रतिनिधि आएंगे, इससे देश की अर्थव्यवस्था और स्थानीय उद्योगों को फायदा होगा।

अहमदाबाद को आयोजन के लिए आदर्श वेन्यू माना जा रहा है, जहां आयोजन की सुविधाएं हैं। इसके अलावा कुछ सुविधाओं का निर्माण भी किया जाएगा। अब देखना होगा कि भारत की बोली सफल होने पर मेजबानी मिलती है या नहीं।

'जो मैं बोलूं वही लिखो, वरना जेल', ईडी के छापे को लेकर आप नेता सौरभ भारद्वाज ने लगाए बड़े सनसनीखेज आरोप

दिल्ली आम आदमी पार्टी (आप) के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की उनके आवास पर हुई छापेमारी के संबंध में एक बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि ईडी अधिकारियों ने पूरे दिन उनका बयान दर्ज किया। भारद्वाज के अनुसार, ईडी की यह कार्रवाई राजनीतिक दबाव का परिणाम थी, जिसमें उनके परिवार पर भी मानसिक दबाव बनाने का प्रयास किया गया। "मैं बोलूं वही लिखो, वरना जेल" सौरभ भारद्वाज ने बताया मंगलवार रात उनके घर पर ईडी की छापेमारी सुबह 7:15 बजे से शुरू होकर देर रात 2 बजे तक चली।

राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा में नेता लगा रहे थे नारे 'वोट चोर गद्दी छोड़', पॉकेटमारों ने काट ली जेब

(जीएनएस)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, राजद के तेजस्वी यादव के साथ मिलकर बिहार के विवादास्पद रक्क्ष प्रक्रिया के विरोध में बिहार में 'मतदाता अधिकार यात्रा' में हिस्सा लिया। विपक्षी नेताओं ने बिहार के जिन शहरों में ये वोटर अधिकार यात्रा निकाली, उनमें दरभंगा भी शामिल था।

दरभंगा में राहुल गांधी की 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान पॉकेटमारों का बोलाबाला रहा। यात्रा में शामिल हुए लगभग आधार दर्जन नेताओं और कार्यकताओं की पॉकेटमारों ने जेब कट कर ली। इस घटना में पूर्व केंद्रीय मंत्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी और पूर्व विधायक भोला यादव समेत अन्य जेबें काट ली गईं।

जिन नेताओं की जेबें कटी उन्होंने बताया कि उनकी जेबों से नकदी, एटीएम कार्ड और महत्वपूर्ण दस्तावेज चेबकतारों ने चोरी कर लिए है। चेबकतरों ने उस समय लोगों की जेब का सफाया किया जब इंडिया गठबंधन के नेता सिमरी में 'वोट चोर गद्दी छोड़' के नारे लगा रहे थे।

हिंदुस्तान मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पॉकेटमार शोभन चौक से लेकर अतरबेल चौराहे तक सक्रिय थे। इस दौरान कार्यकताओं ने पॉकेटमारी के आरोप में एक युवक को पकड़कर सिमरी पुलिस के हवाले कर दिया, जिसने उससे पूछताछ शुरू कर दी है।

सिमरी थानाध्यक्ष अरविंद कुमार ने बताया कि इस मामले में अभी तक कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है, लेकिन पुलिस घटना की पड़ताल कर रही है। मोहम्मद अली अशरफ फातमी शोभन चौक पर स्वागत के लिए खड़े थे, तभी भीड़ में से किसी ने उनका पर्स चुरा लिया, जिसमें नकदी और एटीएम कार्ड थे।

चोरी की इस घटना में राजद के राष्ट्रीय अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री अली अशरफ फातमी का पर्स भीड़ में अज्ञात चोरों द्वारा उड़ा लिया गया। इसके अलावा, राजद नेता भोला सहनी का मोबाइल और पर्स भी चोरी हो गया। इस दौरान, मौके पर मौजूद लोगों ने एक युवक को रंगे हाथों पकड़कर पुलिस को सौंप दिया, जिससे जांच को गति मिली है।

रिपोर्ट के अनुसार फातमी की पॉकेटमारी की खबर मिलते ही पूर्व विधायक भोला यादव ने भी अपनी जेब जांची और पाया कि उनके साथ भी यही हुआ है।

पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष भोला सहनी का मोबाइल छीनकर भाग रहे एक बदमाश को कार्यकताओं ने पकड़कर पुलिस को सौंप दिया। शोभन चौक पर हायाघाट थाने के छतौना नरसरा निवासी विजय यादव के पर्स से एटीएम कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस गायब हो गए।बनौली पैक्स अध्यक्ष अमरेंद्र यादव की जेब से 11 हजार रुपये निकाल लिए गए।शोभन निवासी मोहम्मद शहाबुद्दीन ने भी बताया कि उनकी जेब से 5 हजार रुपये गायब हो गए।

गेहूं और जौ उत्पादन बढ़ाने के साथ लागत घटाना भी जरूरी: केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान

(जीएनएस)।

ग्वालियर, 26 अगस्त 2025। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि भारत आज गेहूं और चावल के उत्पादन में आत्मनिर्भर है, लेकिन उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ लागत घटाना भी उतना ही जरूरी है ताकि खेती लाभकारी बन सके। वे मंगलवार को ग्वालियर स्थित राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित '64वीं अखिल भारतीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान कार्यकर्ता गोष्ठी' को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। श्री चौहान ने गोष्ठी की शुरूआत में कृषि वैज्ञानिक डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन के शताब्दी वर्ष का स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि देश में खाद्यान्न आत्मनिर्भरता में उनका योगदान

अविस्मरणीय है। उन्होंने किसानों की मेहनत को नमन करते हुए कहा कि किसानों के परिश्रम और वैज्ञानिकों के शोध के बल पर भारत आज वैश्विक स्तर पर मजबूत कृषि राष्ट्र के रूप में खड़ा है।

कृषि मंत्री ने बताया कि बीते 10-11 वर्षों में गेहूं का उत्पादन 86.5 मिलियन टन से बढ़कर 117.5 मिलियन टन हो गया है, जो लगभग 44 प्रतिशत की वृद्धि है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि उल्लेखनीय है, लेकिन अभी भी हमें प्रति हेक्टेयर उत्पादन को वैश्विक औसत के बराबर लाने की दिशा में काम करना होगा। श्री चौहान ने कहा कि गेहूं और चावल का पर्याप्त उत्पादन हो चुका है, लेकिन अब दलहन और तिलहन की उत्पादकता बढ़ाना समय की मांग है ताकि आयात पर निर्भरता घटे। उन्होंने कहा कि जौ जैसे परंपरागत अनाज का औषधीय महत्व है और इसके प्रोत्साहन पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है।

श्री चौहान ने वैज्ञानिकों से आग्रह किया कि वे बायोफोर्टिफाइड गेहूं विकसित करें और असंतुलित खादों के उपयोग से मृदा की गुणवत्ता पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव को रोकने की दिशा में कार्य करें।

पंजाब बाढ़: जारी संकट के बीच प्रभावित जिलों में बचाव अभियान तेज

(जीएनएस)।

पंजाब कई जिलों में कई गाँवों को प्रभावित करने वाली भीषण बाढ़ से जूझ रहा है। राज्य और केंद्रीय एजेंसियों ने बचाव और राहत कार्यों को तेज कर दिया है, जिसका ध्यान पठानकोट, गुरदासपुर, फाजिल्का, कपूरथला, तरनतारन, फिरोजपुर, होशियारपुर और अमृतसर जैसे सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों पर है। कई निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया है क्योंकि अधिकारी इस संकट का प्रबंधन करने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं।

पंजाब में बाढ़ के कारण बचाव कार्य तेज

गुरदासपुर के दबुरी में, जवाहर नवोदय विद्यालय से 381 छात्रों और 70 शिक्षकों को बाढ़ के बढ़ते पानी के कारण फंस जाने के बाद बचाया गया। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने स्थिति का आकलन करने के लिए गुरदासपुर में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। उन्होंने जिला प्रशासन को जरूरतमंदों तक राहत सामग्री पहुंचाने के लिए राज्य के हेलीकॉप्टर का उपयोग करने का निर्देश दिया।

नदियाँ और बांध दबाव में

हिमाचल प्रदेश और जम्मू और कश्मीर में भारी बारिश के बाद सतलुज, ब्यास और रवि नदियाँ उफान पर आ गई हैं। इससे इन नदियों के किनारे खेत और गांवों में व्यापक बाढ़ आ गई है। पोंग बांध का जल स्तर बुधवार को 1,393.68 फीट पर पहुंच गया, जो कि इसकी ऊपरी सीमा 1,390 फीट से अधिक है। इस बीच, भाखड़ा बांध का जल स्तर 1,671.90 फीट दर्ज किया गया, जो खतरे के निशान से नौ फीट नीचे है।

सैन्य और नागरिक अभियान

एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सेना, बीएसएफ, राज्य पुलिस और जिला प्रशासनों की कई टीमें राहत और निकासी कार्यों में सक्रिय रूप से शामिल हैं। पठानकोट में, भारतीय वायु सेना ने 60 सिंचाई अधिकारियों को हवाई मार्ग से पहुंचाया, जिन्हें माधोपुर बैराज के गेट खोलने का काम सौंपा गया था। हालांकि, एक अधिकारी अभी भी लापता है। रवि नदी पर माधोपुर हेडवर्क्स के दो गेट क्षतिग्रस्त हो गए हैं।

पठानकोट में बाढ़

भारतीय सेना विमानन ने चुनौतीपूर्ण उड़ान परिस्थितियों के बावजूद पठानकोट में उच्च जोखिम वाला हेलीकॉप्टर बचाव अभियान चलाया। उन्होंने बाढ़ से घिरी एक इमारत से नागरिकों और सीआरपीएफ कर्मियों को निकाला, जो कुछ ही समय बाद गिर गई। सुजानपुर, मलिकपुर, बुधा नगर और आसपास के क्षेत्र बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित हुए

केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री श्री सतीश चंद्र दुबे ने संशोधित झरिया मास्टर प्लान पर उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की

(जीएनएस)।

केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री श्री सतीश चंद्र दुबे ने आज धनबाद स्थित भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) मुख्यालय में संशोधित झरिया मास्टर प्लान पर एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में धनबाद के उपायुक्त श्री आदित्य रंजन, बीसीसीएल के सीएमडी श्री समीरन दत्ता, बीसीसीएल, कोयला मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी, जिला प्रशासन और जेआरडीए के प्रतिनिधि उपस्थित थे। मंत्री ने जगजीवन नगर स्थित बीसीसीएल के केंद्रीय अस्पताल में नव निर्मित आईसीयू वार्ड और धनबाद के स्टील गेट स्थित बहु- कौशल विकास संस्थान (एमएसडीआई-कक्क) का भी उद्घाटन किया।

समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए, श्री सतीश चंद्र दुबे ने संशोधित

झरिया मास्टर प्लान की गहन समीक्षा की। उन्होंने बेलगड़िया टाउनशिप का निरीक्षण भी किया और हितधारकों के साथ बातचीत की।

अपने संबोधन में, श्री दुबे ने इस बात पर जोर दिया कि कोयला उद्योग भारत की ऊर्जा सुरक्षा की रीढ़ है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार न केवल कोयला उत्पादन बढ़ाने के लिए, बल्कि पुनर्वास और सामाजिक विकास कार्यों में भी तेजी लाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि झरिया मास्टर प्लान और बेलगड़िया टाउनशिप जैसी परियोजनाएँ ऐतिहासिक पहल हैं जिनका उद्देश्य विस्थापित परिवारों को सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन प्रदान करना है। मंत्री महोदय ने यह भी कहा कि कौशल विकास संस्थानों और स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत बनाने से स्थानीय युवा और कर्मचारी सशक्त होंगे, उन्हें आत्मनिर्भर बनाकर बेहतर जीवन स्तर सुनिश्चित होगा।

निदेशक (तकनीकी- संचालन), श्री संजय कुमार सिंह ने संशोधित झरिया मास्टर प्लान के अंतर्गत नवीनतम प्रगति पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी, जिसमें पुनर्वास, कौशल विकास कार्यक्रमों और खाली पड़ी भूमि के पुनरुद्देश्यीकरण से संबंधित प्रमुख संकेतकों पर प्रकाश डाला गया।

सीआरआईटी केंद्र भारत के व्यापारिक हितों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारियां निभा रहे हैं: वाणिज्य सचिव

(जीएनएस)।

वाणिज्य सचिव श्री सुनील बर्थवाल ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय व्यापार अनुसंधान केंद्र (CRIT) भारत के व्यापारिक हितों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारियां निभा रहे हैं। यह टिप्पणी नई दिल्ली स्थित तीन मूर्ति भवन स्थित प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय में आयोजित व्यापार एवं निवेश विधि केंद्र (CTIL) के 8वें वर्षगांठ समारोह में की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री सुनील बर्थवाल ने इस बात पर जोर दिया कि इन केंद्रों द्वारा किया जा रहा कार्य भारत के राष्ट्रीय हितों से गहराई से जुड़ा हुआ है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि व्यापार वाताओं की गोपनीयता बनाए रखने के लिए इनकी स्थापना अत्यंत महत्वपूर्ण है, साथ ही यह मजबूत आंतरिक क्षमता के विकास में भी योगदान देगा।

भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश और इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, न्यायमूर्ति डी.वाई. चंद्रचूड़ ने राज्य की क्षमता विकास में वकीलों और

थिंक टैंकों की भूमिका पर जोर दिया, जिसका शासन कला में रणनीतिक महत्व है। श्री चंद्रचूड़ ने कहा कि सीटीआईएल की भूमिका व्यापार और निवेश कानून के क्षेत्र में आवश्यक विशेषज्ञता और कौशल लाकर सरकार की क्षमता को बढ़ाने में है। उन्होंने बताया कि कैसे क्षमता निर्माण की पहलों ने व्यापार वाताओं और समझौतों में परिणाम देने शुरू कर दिए हैं। श्री चंद्रचूड़ ने ट्रेडलैब जैसे अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रमों में सीटीआईएल के प्रयासों का उल्लेख किया और अन्य विधि विद्यालयों में इसके विस्तार की वकालत की।

प्रोफेसर जेम्स जे. नेदुम्परा ने केंद्रों की गतिविधियों और उन क्षेत्रों का उल्लेख किया जहां केंद्र ने वाणिज्य विभाग और विभिन्न मंत्रालयों की गतिविधियों में समय पर कानूनी जानकारी और विश्लेषण प्रदान करके योगदान दिया है, जिनमें व्यापार वार्ता, विधायी प्रारूपण, नियम निर्माण और विवाद समाधान शामिल हैं। उन्होंने सीटीआईएल द्वारा अपनी स्थापना के बाद से की गई विभिन्न शैक्षणिक और सहयोगात्मक गतिविधियों का भी उल्लेख किया।

इस अवसर को नई दिल्ली स्थित भारतीय विदेश व्यापार संस्थान के कुलपति डॉ. राकेश मोहन जोशी की उपस्थिति ने और समृद्ध बनाया, जिन्होंने कुलपति का संबोधन दिया। इस कार्यक्रम में भारत सरकार के वाणिज्य विभाग के विशेष सचिव श्री सत्य श्रीनिवास और भारत सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारी, वकील और कानून के छात्र भी उपस्थित थे।

'भगवान आए या शैतान, कोई हमें अलग नहीं कर सकता', तलाक की अफवाहों पर सुनीता भड़कीं!

(जीएनएस)।

बॉलीवुड के चहेते गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता आहूजा की जिंदगी इन दिनों किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं! तलाक की उड़ती खबरों ने उनके फैंस को सकते में डाल दिया था, लेकिन 27 अगस्त 2025 को गणेश चतुर्थी के मौके पर दोनों ने मुंबई में अपने घर पर एक साथ पूजा कर इन अफवाहों को धराशायी कर दिया।

सुनीता ने मीडिया से बिंदास अंदाज में कहा, 'मेरा गोविंदा सिर्फ मेरा है! भगवान आए या शैतान, कोई हमें अलग नहीं कर सकता!' आइए, इस लव स्टोरी के ताजा ट्विस्ट को डीकोड करते हैं....

सुनीता का बयान: 'मेरा पति सिर्फ मेरा!'

गणेश चतुर्थी पर गोविंदा और सुनीता की जोड़ी ने फैंस को राहत की सांस दी। सुनीता ने बैंगनी साड़ी में और गोविंदा ने लाल कुर्ते में गणपति बप्पा की पूजा की। दोनों ने घर के बाहर इकट्ठा हुए फैंस को मिठाइयां बांटीं और प्यार भरे अंदाज में पोज दिए। लेकिन सुनीता का बयान था, जो शो स्टील कर गया!

मीडिया से बात करते हुए सुनीता ने तलाक की अफवाहों पर करारा जवाब दिया: 'अरे, इतना करीब-करीब अगर हम हैं, तो क्या दूरियां होंगी? कोई हमें अलग नहीं कर सकता-चाहे भगवान आएं या शैतान! मेरा गोविंदा सिर्फ मेरा है, और मैं उसकी। जब तक हम खुद कुछ न बोलें, आप लोग कृपया इन अफवाहों पर ध्यान न दें।' उनकी ये लाइनें सीधे 90२ की फिल्म 'मेरा पति सिर्फ मेरा है' से इंस्पायर्ड लगीं, और फैंस को उनकी बेबाकी ने फिर से दीवाना बना दिया।

गणेश चतुर्थी पर एकजुटता का जश्न

27 अगस्त को गोविंदा के जुहू वाले घर पर गणेश चतुर्थी का उत्सव धूमधाम से मनाया गया। सुनीता और गोविंदा के साथ उनका बेटा यशवर्धन भी पूजा में शामिल हुआ। गोविंदा ने अपने चिर-परिचित अंदाज में फैंस को फ्लाइंग किस दी, और सुनीता ने मिठाइयों के डिब्बे बांटे।

तलाक की अफवाहें: कहां से शुरू हुआ ड्रामा?

पिछले कुछ महीनों से गोविंदा और सुनीता के रिश्ते में खटास की खबरें उड़ रही थीं। दिसंबर 2024 में खबर आई थी कि सुनीता ने बांद्रा फैमिली कोर्ट में तलाक की अर्जी दायर की, जिसमें गोविंदा पर अफेयर, क्रूरता, और परित्याग के आरोप लगाए गए। एक मराठी एक्ट्रेस के साथ गोविंदा की कथित नजदीकियों ने भी इन अफवाहों को हवा दी। सुनीता के व्लॉग, जिसमें वह मां काली के मंदिर में रोती और भैरव बाबा को शराब का भोग चढ़ाती दिखीं, ने ड्रामे को और बढ़ाया।

लेकिन गोविंदा की मैनेजर शशि सिन्हा ने इन खबरों को 'पुराना और बकवास' बताया। सिन्हा ने कहा, 'ये सब 6-7 महीने पुरानी बातें हैं। गोविंदा और सुनीता का परिवार एकजुट है। गणेश चतुर्थी इसका सबूत है।'

गोविंदा और सुनीता की प्रेम कहानी 80 के दशक की है। गोविंदा, जो तब इ.उङ्क के स्टूडेंट थे, और 9वीं में पढ़ने वाली सुनीता की मुलाकात गोविंदा की बहन के घर हुई।

'वैश्विक व्यापार दबाव और चालबाजी मुक्त होना चाहिए', फ्रर प्रमुख मोहन भागवत ने अमेरिकन टैरिफ पर दिया बड़ा बयान

(जीएनएस)।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने बुधवार को वैश्विक व्यापार के लिए एक संतुलित दृष्टिकोण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय व्यापार "स्वैच्छिक" होना चाहिए और दबाव या चालबाजी से मुक्त होना चाहिए। भागवत ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में तीन दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला "संघ यात्रा के 100 वर्ष-नए क्षितिज" के दूसरे दिन ये बातें कहीं।

उन्होंने आत्मनिर्भरता और स्वदेशी के सिद्धांतों पर विस्तार से बात की। भागवत ने कहा, "अंतर्राष्ट्रीय व्यापार केवल स्वेच्छा से होना चाहिए, न कि दबाव में।" उन्होंने यह भी जोड़ा कि भारत के लिए आगे बढ़ने का रास्ता "आत्मनिर्भरता" में निहित है।

भागवत ने 'आत्मनिर्भरता' या 'स्वदेशी' को महत्वपूर्ण बताया, लेकिन स्पष्ट किया कि इसका अर्थ आयात बंद करना नहीं है। उन्होंने कहा, "दुनिया एक-दूसरे पर निर्भरता से चलती है, इसलिए निर्यात-आयात जारी रहेगा। हालांकि, इसमें कोई दबाव नहीं होना चाहिए।"

"हमेशा स्थानीय व्यवसायों का

समर्थन करना चाहिए"

मोहन भागवत ने समझाया, "स्वदेशी का मतलब उन वस्तुओं का आयात न करना है जो हमारे पास पहले से हैं या हम आसानी से बना सकते हैं। हमें हमेशा स्थानीय व्यवसायों का समर्थन करना चाहिए। बाहर से सामान लाने से स्थानीय विक्रेताओं को नुकसान होता है।"

"ठोस समाधान दूर दिख रहे हैं"

आरएसएस प्रमुख का ये बयान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आर्थिक स्वार्थ और स्थानीय उद्यम को बढ़ावा देने के संतुलन के आह्वान को प्रतिध्वनित करती हैं। अर्थशास्त्र के अलावा, भागवत ने वर्तमान वैश्विक स्थिति पर भी बात की। उन्होंने कहा कि शांति, पर्यावरणीय स्थिरता और आर्थिक असमानता पर चर्चाएं जारी हैं, लेकिन ठोस समाधान दूर दिख रहे हैं।

मोहन भागवत ने बल दिया, "इसके लिए हमें प्रामाणिक रूप से सोचना और विचार-विमर्श करना चाहिए, जीवन में त्याग लाना चाहिए और संतुलित बुद्धि तथा धार्मिक दृष्टि विकसित करनी चाहिए।"

"हमने अपने नुकसान में भी हमेशा संयम बरता है"

भारत के अंतर्राष्ट्रीय आचरण का जिक्र करते हुए भागवत ने विपरीत परिस्थितियों में देश के संयम की सराहना की। उन्होंने कहा, "हमने अपने नुकसान में भी हमेशा संयम बरता है। जिन लोगों ने हमें नुकसान पहुँचाया, उनकी हमने संकट में मदद की। दुश्मनी व्यक्तिगत और राष्ट्रीय अहंकार से पैदा होती है, लेकिन अहंकार से परे हमारा भारत या हिंदुस्तान है।"

उन्होंने भारतीय समाज से दुनिया के लिए एक आदर्श बनने का आग्रह किया।

12वीं पास भाजपा विधायक कौन हैं? जिन्होंने कलेक्टर पर ताना घूंसा

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश के भिंड में 27 अगस्त 2025 को एक ऐसा ड्रामा हुआ, जो बॉलीवुड की मसाला फिल्मों को भी मात दे गया! भाजपा विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह और भिंड कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव के बीच खाद की कमी को लेकर शुरू हुआ विवाद इतना बढ़ा कि कलेक्टर के बंगले पर 'उंगली बनाम घूंसा' का तमाशा शुरू हो गया।

वायरल वीडियो में विधायक कलेक्टर को 'सबसे बड़ा चोर' कहते और घूंसा तानते दिखे, तो कलेक्टर ने भी जवाब में उंगली दिखाकर ललकारा। आइए, इस सियासी हंगामे की पूरी कहानी जानते हैं...

कलेक्टर के बंगले पर बवाल: उंगली, घूंसा और गाली-गलौच

27 अगस्त की सुबह भिंड में खाद की कमी को लेकर किसानों का गुस्सा उबाल पर था। BJP विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह अपने समर्थकों के साथ कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव के सरकारी बंगले पर धरना देने पहुंचे। पहले तो समर्थकों ने 'कलेक्टर चोर है' के नारे लगाए, फिर गुस्से में तमतमाए विधायक ने बंगले का दरवाजा धक्का मारकर खोल दिया।

जैसे ही दरवाजा खुला, सामने शॉल ओढ़े कलेक्टर खड़े थे। कलेक्टर ने विधायक को उंगली दिखाकर जवाब दिया, तो कुशवाह ने गुस्से में घूंसा तान दिया और चिल्लाए, 'सबसे बड़ा चोर तू है!' कलेक्टर भी पीछे नहीं हटे और बोले, 'मैं यहां चोरी नहीं होने दूंगा!' दोनों के बीच गाली-गलौज और तीखी नोंकझोंक का यह वीडियो सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल गया।

सुरक्षा गाड्र्स ने तुरंत बीच-बचाव किया, वरना मामला हाथापाई तक पहुंच सकता था। वीडियो में विधायक के समर्थक नारेबाजी करते दिखे, और कलेक्टर को बंगले के अंदर भेज दिया गया। लेकिन बाहर हंगामा थमने का नाम नहीं ले रहा था।

पुलिस और मंत्रियों का दखल: तब जाकर शांत हुए विधायक

हंगामे की खबर फैलते ही रढ असीत यादव, अरढ संजीव पाठक, और ADM एल.के. पांडे बंगले पर पहुंचे। विधायक को मनाने की कोशिश की गई, लेकिन वह टस से मस नहीं हुए। आखिरकार प्रभारी मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने फोन पर कुशवाह से बात की, तब जाकर उनका गुस्सा ठंडा हुआ और वह समर्थकों के साथ वापस लौटे।

कुशवाह ने बाद में कहा, 'किसानों को खाद के लिए रात-दिन लाइन में लगना पड़ रहा है। पर्याप्त खाद है, फिर भी सोसाइटी में नहीं पहुंच रहा। आखिर ये खाद कहां जा रहा है? मैंने प्रभारी मंत्री से बात की है, और जवाबदेही तय होगी।'

खाद संकट: क्या है विवाद की जड़?

भिंड, मुरैना, और ग्वालियर जैसे जिलों में खरीफ सीजन के दौरान DAP और यूरिया की भारी कमी ने किसानों को परेशान कर रखा है। कुशवाह का आरोप है कि कलेक्टर खाद की कालाबाजारी को रोकने में नाकाम रहे हैं। उन्होंने कहा, 'किसान एक-दो बोरी खाद के लिए घंटों लाइन में खड़े रहते हैं, लेकिन खुले बाजार में वही खाद ऊंचे दामों पर बिक रहा है।'

कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा, 'जिले में खाद की आपूर्ति पर्याप्त है। हम किसानों की समस्याएं हल करने के लिए काम कर रहे हैं। विधायक का व्यवहार गुंडागर्दी है।' कलेक्टर ने विधायक के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज की, जिसमें धमकी और सरकारी काम में बाधा डालने का आरोप लगाया गया है।

63 साल के नरेंद्र सिंह कुशवाह भिंड विधानसभा से BJP के विधायक हैं। 1981 में जनता स्कूल, भिंड से 12वीं पास करने वाले कुशवाह की संपत्ति करीब 2 करोड़ रुपये है, जिसमें 18 लाख रुपये की देनदारियां हैं। उनके पास कृषि, पूर्व विधायक पेंशन, और पेट्रोल पंप का व्यवसाय है। उनकी पत्नी मिथलेश कुशवाह जिला पंचायत सदस्य हैं।

लेकिन कुशवाह का नाम विवादों से भी जुड़ा रहा है: -

2012 में सजा: ग्वालियर की MP-MLA कोर्ट ने कुशवाह और उनके बेटे पुष्पेंद्र समेत 6 लोगों को शराब तस्करी की कार्रवाई में बाधा डालने और पुलिस से मारपीट के लिए 6 महीने की सजा सुनाई थी।

2015 में दलित उत्पीड़न: भिंड देहात थाने में कुशवाह और गोहद के कांग्रेस विधायक केशव देसाई पर दलित बाबूराम जामौर को अगवा कर मारपीट और जातिगत अपमान का केस दर्ज हुआ। इस मामले में कुशवाह कोर्ट में पेश नहीं हुए, जिसके चलते दिसंबर 2023 में उनके खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी हुआ। जबलपुर कोर्ट ने बाद में इस वारंट पर रोक लगाई।

2021 में चचेरे भाई की हत्या: कुशवाह के चचेरे भाई लालजी सिंह की भिंड में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी, जिसके पीछे पुरानी रंजिश बताई गई।

कुशवाह का तेज-तर्रार अंदाज उन्हें अक्सर सुर्खियों में लाता है। 2015 में भी उन्होंने अपनी ही सरकार के खिलाफ किसानों के मुद्दों पर हंगामा किया था।

क्या है इस ड्रामे का सच?

नरेंद्र सिंह कुशवाह का कलेक्टर से टकराव नया नहीं है। उनके तीखे तेवर और किसानों के मुद्दों पर आक्रामक रुख उन्हें भिंड में लोकप्रिय बनाते हैं, लेकिन यह घटना BJP के लिए मुश्किल खड़ी कर सकती है।

रायपुर की पहली महिला विधायक रजनी उपासने का 92 वर्ष की आयु में निधन

(जीएनएस)।

पूर्व रायपुर विधायक रजनी ताई उपासने का बुधवार शाम को रायपुर, छत्तीसगढ़ के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। वे 92 वर्ष की थीं। उपासने को पिछले सप्ताह निमोनिया के इलाज के लिए वीवाई अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन बीमारी के कारण उनकी मृत्यु हो गई, इसकी पुष्टि उनके बेटे और वरिष्ठ भाजपा नेता सच्चिदानंद ने की।

रायपुर की पूर्व विधायक रजनी उपासने का निधन

उपासने भारतीय राजनीति में एक प्रमुख हस्ती थीं, जब छत्तीसगढ़ अविभाजित मध्य प्रदेश का हिस्सा था तब वे रायपुर की पहली महिला विधायक थीं। 28 अप्रैल, 1933 को महाराष्ट्र के परतवाड़ा में जन्मीं, उन्होंने अकोट के दत्तात्रेय प्रह्लाद उपासने से शादी की। उनके चार बेटे हैं: जगदीश, सच्चिदानंद, गिरीश और हेमंत। उनका अंतिम संस्कार गुरुवार को रायपुर में निर्धारित है।

शुरूआत से ही, उपासने भारतीय जनसंघ (बीजेएस) से जुड़ी थीं, जो बाद में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में बदल गई। वह अपने परिवार के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की गतिविधियों के प्रति गहरी प्रतिबद्ध रहीं। उनके राजनीतिक करियर में अन्याय और भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलनों में सक्रिय भागीदारी शामिल थी, जिसके कारण उन्हें 1975 से 1977 तक आपातकाल के दौरान जेल जाना पड़ा।

1977 में, उपासने को तत्कालीन मध्य प्रदेश में जनता पार्टी के टिकट पर रायपुर शहर से विधायक चुना गया। बाद में, उन्होंने राज्य सामाजिक कल्याण बोर्ड के उपाध्यक्ष के रूप में कार्य किया। उनके संगठनात्मक कौशल स्पष्ट थे क्योंकि उन्होंने राज्य और राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर भाजपा की महिला विंग को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

विरासत और संबंध

उपासने अपनी राजनीतिक सीमाओं से परे संबंध बनाने की क्षमता के लिए जानी जाती थीं। उन्होंने अटल बिहारी वाजपेयी, लाल कृष्ण आडवाणी, सुषमा स्वराज, राजमाता विजयाराजे सिंधिया, सुंदरलाल पटवा और कांग्रेस नेता अर्जुन सिंह जैसे राजनीतिक दिग्गजों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखे। सार्वजनिक जीवन और समाज में उनके योगदान को व्यापक रूप से स्वीकार किया गया है।

श्रद्धांजलि और संवेदनाएं

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने उपासने के निधन पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने सार्वजनिक सेवा और सामाजिक कल्याण में उनके महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डाला, और कहा कि उनके प्रयासों को हमेशा याद रखा जाएगा। "रजनी ताई उपासने जी के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है," साय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ल्ल पर पोस्ट किया। उन्होंने इस कठिन समय में उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

एक अग्रणी महिला नेता के रूप में रजनी ताई उपासने की विरासत और सार्वजनिक सेवा के प्रति उनकी समर्पण भारत के राजनीतिक परिदृश्य में अभी भी कई लोगों को प्रेरित करता है।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

सम्पादकीय

आवश्यक हो चुकी हैं डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के लिए सख़्त गाइडलाइंस

समाज के सामने समाज का भविष्य उसकी युवा पीढ़ी होती है। यदि युवा सशत्त, जागरूक और जिम्मेदार हों, तो किसी भी राष्ट्र को प्रगति और समृद्धि से कोई नहीं रोक सकता। लेकिन यदि यही ऊर्जा गलत दिशा में मुड़ जाए, तो वही युवा समाज और राष्ट्र के लिए चुनौती भी बन सकते हैं। दुर्भाग्य से आज हम एक ऐसे दौर से गुजर रहे हैं, जहाँ विज्ञान और तकनीक ने भले ही अभूतपूर्व तरक्की कर ली हो, लेकिन मानवीय मूल्य, संवेदनशीलता और नैतिकता धीरे–धीरे कमजोर पड़ते जा रहे हैं। इसका सबसे प्रत्यक्ष और चिताजनक असर युवाओं के भीतर पनप रही हिसक प्रवृत्तियों में दिखाई देता है। पिछले वुछ वर्षो में ऐसी कई घटनाएं हुई हैं जिन्होंने हमें झकझोर कर रख दिया है। कभी किसी स्वूल के टिफिन बॉक्स से चावू निकलता है, कभी छोटी–सी कहासुनी पर जानलेवा हमला हो जाता है, तो कभी शिक्षकों तक को बेरहमी से मौत के घाट उतार दिया जाता है। हाल ही में हरियाणा में एक युवा शिक्षक की हत्या की घटना ने समाज को गहरी सोच में डाल दिया है। ये घटनाएँ केवल आपराधिक समाचार नहीं हैं, बल्कि इस बात का संकेत हैं कि हमारी युवा पीढ़ी एक खतरनाक मोड़ पर खड़ी है। आज का युवा डिजिटल दुनिया से घिरा हुआ है। स्मार्टफोन और इंटरनेट उनकी दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं। ऑनलाइन गेम्स, जिनमें मारपीट और हिसा को रोमांचक और मनोरंजक बनाकर प्रस्तुत किया जाता है, युवाओं के मनोविज्ञान पर गहरा असर डाल रहे हैं। युवाओं में बढ़ती हिसा का एक बड़ा कारण डिजिटल प्लेटफ ॉर्म और गेमिग ऐप्स पर आसानी से उपलब्ध हिसक व अश्लील वंटेंट है। सरकार ने समय–समय पर इस दिशा में कदम उठाए हैं। कई बार ऐसे मोबाइल गेम्स और ऐप्स पर प्रतिबंध लगाया गया है, जिनमें अत्यधिक हिसा, नशे या असामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाता था। हाल ही में वुछ ऑनलाइन गेम्स को इस आधार पर प्रतिबंधित किया गया कि वे बच्चों और किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिवूल असर डाल रहे थे और उनमें आत्मघाती प्रवृत्तियों को उकसाने वाली सामग्री मौजूद थी। हालांकि, केवल प्रतिबंध ही स्थायी समाधान नहीं है। सरकार को डिजिटल प्लेटफ ॉर्म्स के लिए सख़्त गाइडलाइंस और प्रभावी मॉनिटरिग सिस्टम तैयार करना होगा, ताकि युवाओं को सुरक्षित और सकारात्मक वंटेंट ही उपलब्ध कराया जा सके। साइबर नियामक ढांचे को मजबूत करने के साथसाथ डिजिटल साक्षरता पर भी ध्यान देना होगा, ताकि माता–पिता और बच्चे दोनों यह समझ सवें कि कौन–सा वंटेंट सुरक्षित है और कौन–सा हानिकारक। कई बार बच्चे और किशोर इन खेलों के पात्रों से इतना जुड़ जाते हैं कि वास्तविक जीवन में भी उसी तरह का व्यवहार करने लगते हैं। जब आभासी हिसा आदत बन जाती है, तो संवेदनशीलता और करुणा धीरे–धीरे खत्म होने लगती है। इसके अलावा, इंटरनेट पर बिना किसी नियंत्रण के अश्लील और हिसक सामग्री की उपलब्धता ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। यह कहना गलत नहीं होगा कि डिजिटल युग ने जहाँ ज्ञान और अवसरों की दुनिया खोली है, वहीं उसने हिसा और नैतिक पतन का रास्ता भी आसान कर दिया है। युवाओं के हिसक व्यवहार का एक बड़ा कारण पारिवारिक वातावरण की कमी भी है। आज की तेज रफ्तार जिदगी में मातापिता अपने बच्चों को पर्याप्त समय नहीं दे पाते। कामकाजी जीवन की व्यस्तता और भौतिक सुखसुविधाओं की होड़ में बच्चों की भावनात्मक ज़रूरतें पीछे छूट जाती हैं। बच्चे जब अपने माता–पिता से भावनात्मक रूप से दूर होते हैं, तो वे सही–गलत का फर्व समझाने वाले मार्गदर्शक से वंचित हो जाते हैं। कभी पारिवारिक वातावरण बच्चों को नैतिकता, धैर्य और सहनशीलता सिखाता था। संयुत्त परिवार व्यवस्था में बच्चे अपने दादा–दादी और बड़ों से जीवन के मूल्य सीखते थे। लेकिन अब जब परिवार छोटे और व्यस्त होते जा रहे हैं, तो बच्चे अपने अकेलेपन और असुरक्षा से जूझते हुए गलत संगत या गलत रास्तों की ओर बढ़ जाते हैं। यही अकेलापन कई बार उन्हें हिसा का सहारा लेने के लिए प्रेरित करता है। आज का समाज सफलता को सबसे बड़ी कसौटी मान बैठा है। हर

गुजरात में आगामी 29 से 31 अगस्त, 2025 के दौरान मनाया जाएगा 'राष्ट्रीय खेल दिवस'

खेल जगत के दिग्गज मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलि देते हुए समग्र देश मनाएगा खेल–कूद, उत्साह एवं एकता का यह तीन दिवसीय राष्ट्रव्यापी उत्सव

राष्ट्रीय खेल दिवस समारोह के दौरान गुजरात में आयोजित होंगे जिला स्तरीय खेल–कूद कार्यक्रम, सभी प्रतियोगियों द्वारा ली जाएगी 'फिट इंडिया प्रतिज्ञा'

गुजरात के सभी जिलों में 'खेल महाकुंभ 2025' के लिए पंजीकरण की होगी शुरूआत

गांधीनगर, 27 अगस्त : भारत के खेल जगत के दिग्गज मेजर ध्यानचंद द्वारा भारतीय खेल–कूद क्षेत्र में दिए गए योगदान को सम्मानित करने के लिए हर वर्ष 29 अगस्त को समग्र भारत में 'राष्ट्रीय खेल दिवस' (नेशनल स्पोर्ट्स डे) मनाया जाता है। इस वर्ष राष्ट्रीय खेल दिवस 2025 के उपलक्ष्य में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने 29 से 31 अगस्त, 2025 तक तीन दिवसीय राष्ट्रीय खेल दिवस समारोह की घोषणा की है। 'एक घण्टा खेल के मैदान में' तथा 'हर गली–मैदान, खेले सारा हिन्दुस्तान' जैसे नारों के साथ इस वर्ष समग्र राष्ट्र खेल–कूद, उत्साह एवं एकता का यह तीन दिवसीय राष्ट्रीय उत्सव मनाएगा और मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलि देगा। इसी बात को ध्यान में रखकर मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात में भी 29 से 31 अगस्त, 2025 तक तीन दिनों के लिए राष्ट्रीय खेल दिवस समारोहपूर्वक मनाया जाएगा।

हर वर्ष राष्ट्रीय खेल दिवस के दिन श्रेष्ठ खिलाड़ियों को राष्ट्रीय खेल पुरस्कार दिए जाते हैं, जो देशभर में खेल–कूद क्षेत्र में श्रेष्ठता एवं उपलब्धियों को मान्यता देते हैं। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2019 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के साहसी एवं समावेशी विजन के साथ फिट इंडिया मूवमेंट लॉन्च की गई थी, जिसका उद्देश्य है देश में फिटनेस व खेल–कूद की मजबूत संस्कृति का निर्माण करना, खेल–कूद के जरिये समग्र भारत को एक करना और सभी के लिए फिटनेस को प्रोत्साहन देना।

गुजरात के सभी जिलों में राष्ट्रीय खेल दिवस 2025 मनाने की तैयारियाँ

गुजरात में राष्ट्रीय खेल दिवस 2025 के तीन दिवसीय उत्सव के लिए सभी जिलों में आयोजन किए जाएंगे। इसके लिए कलेक्टर कार्यालय, कमिश्नर कार्यालय तथा पुलिस महानिदेशक कार्यालय द्वारा सभी जिलों को सक्रिय किया जाएगा। हर जिले में खेल–कूद का कम से कम एक बड़ा कार्यक्रम तथा तहसील स्तर पर अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके लिए जिलेवार नोडल अधिकारियों (डीएसडीओ एवं डीएसओ) की नियुक्ति की जाएगी। इसके अलावा, सभी जिलों में वीआईपी तथा खेल–कूद क्षेत्र की हस्तियों को कार्यक्रम में आमंत्रित किया जाएगा।

गुजरात में तीन दिन विभिन्न स्पोर्ट्स इवेंट्स का आयोजन

तीन दिवसीय राष्ट्रीय खेल दिवस उत्सव के लिए गुजरात में 29 से 31 अगस्त, 2025 तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। पहले दिन यानी 29 अगस्त को सभी जिलों में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी प्रतियोगियों द्वारा 'फिट इंडिया प्रतिज्ञा' ली जाएगी। फिट इंडिया प्रतिज्ञा है :

'मैं प्रतिज्ञा लेता/ती हूँ कि मैं अपने आपको शारीरिक रूप से स्वस्थ, मानसिक रूप से मजबूत तथा भावनात्मक रूप से संतुलित बनाऊंगा/गी। मैं अपने परिवार एवं मित्रों को प्रतिदिन खेलने एवं खेल–कूद तथा स्वस्थता की गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करूंगा/गी। मैं जो भी खेल खेलता/ती हूँ, उसमें श्रेष्ठता, सम्मान तथा मित्रता के ओलंपिक मूल्यों को आत्मसात करने का प्रयास करूंगा/गी।'

खेल दिवस उत्सव के पहले दिन गुजरात के सभी विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों तथा विद्यालयों में मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलि दी जाएगी। इसके अलावा, सभी विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों तथा विद्यालयों में खेल–कूद प्रतियोगिताएँ, वक्तव्य प्रतियोगिताएँ, परिसंवाद, शारीरिक एवं मानसिक फिटनेस पर चर्चाएँ, पोस्टर मेकिंग जैसी गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी। इसके साथ ही, इस दिन 'खेल महाकुंभ 2025' के लिए सभी जिलों में पंजीकरण भी शुरू किया जाएगा।

दूसरे दिन यानी 30 अगस्त, 2025 को राज्य के पुलिस विभाग के नेतृत्व में सभी पुलिस मुख्यालयों में खेल–कूद प्रतियोगिताओं एवं फिटनेस गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। पुलिस मुख्यालयों में होने वाले खेल दिवस समारोहों में अन्य विभाग भी हिस्सा लेंगे। पुलिस विभाग द्वारा उनके संबंधित जिलों में खेले जाने वाले एक खेल या अधिक लोकप्रिय खेलों का आयोजन भी किया जाएगा।

तीसरे दिन यानी 31 अगस्त, 2025 को राज्य के सभी जिला मुख्यालयों, महानगर पालिकाओं तथा नगर पालिकाओं में 'संडे ऑन साइकिल' (रविवार का दिन साइकिल पर) कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम के जरिये 'स्वस्थ गुजरात, मेदस्वितामुक्त गुजरात' को प्रोत्साहन दिया जाएगा। इस कार्यक्रम में एनसीसी, एनएसएस, सामाजिक एवं राजनीतिक नेताओं, धार्मिक नेताओं, एनजीओ आदि द्वारा सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहन दिया जाएगा।

इस तीन दिवसीय राष्ट्रीय खेल दिवस उत्सव में गुजरात सरकार के विभिन्न विभाग सक्रिय रूप से जुड़ेंगे, जिनमें खेल–कूद विभाग, शिक्षा विभाग, पुलिस विभाग, शहरी विकास एवं आवास विभाग, तहसील पंचायतें व ग्राम पंचायतें तथा अन्य सभी विभाग शामिल हैं। ये सभी विभाग इन कार्यक्रमों को लेकर राज्य के नागरिकों में जागरूकता लाएंगे और सुनिश्चित करेंगे कि लोग सक्रिय रूप से इन कार्यक्रमों में जुड़ें।

घुटनों पर जम गया है कालापन तो देशी नुस्खे आएंगे आपके काम : शहनाज हुसैन

खूबसूरती के मामले में हम चेहरे को ज्यादा प्राथमिकता देते हैं जिसकी बजह से घुटने कोहनी आदि इग्नोर हो जाती हैं / गर्मियों के मौसम में शार्ट ड्रेस पहनने बाली महिलाएं घुटनों के कालेपन से परेशान रहती हैं /

अनेक युवतियां घुटनों के कालेपन की वजह से अपना फेवरेट ड्रेस नहीं पहन पाती और घुटनों को छिपाते फिरती हैं / में आपको यह बता दूँ की घुटनों का काला पड़ना एक सामान्य समस्या है, लेकिन इससे बचाव करना कॉमन नहीं होता है। दरअसलए घुटनों की त्वचा शरीर के अन्य हिस्सों की तुलना में मोटी होती है जिससे यह जल्दी खराब हो जाती है / घुटनों में तेल ग्रंथियां कम होती हैं, जिससे यह अधिक ड्राई और पिगमेंटेशन के प्रति संवेदनशील हो जाती है लेकिन यह कोई हेल थ से जुड़ी समस या नहीं है / घुटनों के कालेपन की समस्या किसी भी त्वचा को प्रभावित कर सकती है /

यह समस्या आमतौर पर डेड स्किन के जमा होने, अधिक रगड़ होने, धूप में ज्यादा समय बिताने , मॉइस्चराइजिंग में लापरवाही या सही तरीके से त्वचा की देखभाल न करने से होती है /

घुटनों के कालेपन को दूर करने के लिए आपको काफी मेहनत करनी पड़ती है लेकिन कुछ घरेलू उपायों से आप घुटनो की रंगत संवार सकती हैं और घुटनों को मुलायम और कोमल बना सकती हैं /

1 ----एक कटोरी नींबू के रस में बेकिंग सोडा मिलाकर इसे अच्छी तरह मिक्स कर लें। फिर कॉटन की मदद से घुटनों पर लगाकर हल्के हाथों से घुटने की मसाज करें। बेहतर परिणाम के लिए इसे आप हफ्ते में दो बार उपयोग कर सकती हैं / इससे घुटने का कालापन कम हो सकता है।

2 ---थोड़ा सा टूथपेस्ट लेकर इसमें थोड़ा सा सोडा पाउडर मिलाकर बने मिश्रण में आधा चम्मच कॉफी पाउडर मिला लीजिये / अब इसमें कुछ बूंदे टमाटर के रश की मिला लें और अंत में कुछ बुँदे नींबू के रस की मिलाकर एक मिश्रण बना लीजिये / इस मिश्रण को घुटनों की काली जगह पर 10 मिनट तक लगाने के बाद घुटनों के हलके हलके रगड़ते हुए ताजे पानी से धो डालिये /

3 ------नारियल तेल और चीनी स्क्रब.

एक कटोरी में 1 चम्मच नारियल तेल में 1 चम्मच चीनी मिलाएं/ इस मिश्रण को घुटनों पर हल्के हाथों से 5----10 मिनट तक गोलाकार में मसाज करने के बाद साफ पानी से अच् छी तरह पोंछ लें/ मिश्रण में मौजूद नारियल तेल त्वचा को पोषण देता है, जबकि चीनी मृत कोशिकाओं को हटाती है/

4 -----कांच की कटोरी में करीब 1 चम्मच कॉफी डालें और इसमें करीब आधा चम्मच नारियल का तेल मिलाएं/ इस मिश्रण को

संतरे के छिलके की मदद से काले घुटनों पर इस स्क्रब से 10 मिनट तक मसाज करें/ इसके बाद कॉटन की मदद से इसे साफ कर लें/

आप चाहें तो इसे पानी से भी धो सकते हैं/ आप इस स्क्रब का इस्तेमाल हफ्ते में करीब 2 से 3 बार कर सकते हैं/ इसके नियमित इस्तेमाल से घुटनों का कालापन कम हो जाएगा/

5 ----एक चम्मच नींबू के रस में आधा चम्मच शहद मिलाएं। अब इस मिश्रण को घुटनों पर

लगाकर करीब 15 मिनट तक हल्के हा थों से रगड़ें। फिर इसे साफ पानी से धो लें। तीन से चार हफ्तों के अंदर इसका असर दिखने लगेगा। दरअसलए नींबू एक प्रकृतिक ब्लीचिंग एजेंट है, जो त्वचा पर जमी मैल को आसानी से कम

करता है। वहीं शहद त्वचा में नमी बनाए रखता है।

6 ----- खीरे को कद्दूकस करें और इसका रस निकाल लें। अब 3 चम्मच खीरे के रस में आधा चम्मच नींबू का रस मिलाएं। इस पेस्ट को अपने घुटनों पर मालिश करते हुए लगाएं। 15 मिनट बाद पानी से धो लें और त्वचा को मॉइश्चराइज कर लें। खीरा और नींबू त्वचा का कालापन हटाते हैं साथ ही त्वचा को नमी प्रदान करते हुए इसे कोमल और मुलायम भी बनाते हैं।

7 -----आलू को कद्दूकस करके उसका रस निकाल लें फिर उस रस को आप एक बोतल में भरकर फ्रिज में रख लें। रोजाना रात को सोने से पहले इसे अपने घुटनों पर लगाएं। कुछ ही दिनों में फर्क दिखने लगेगा /

8 -----कच्चे दूध से आप घुटनों की मसाज करें। इस तरह से मसाज करने पर धीरे.धीरे घुटनों का रंग साफ हो जाएगा।

लेखिका अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सौन्दर्य विशेष्ज्ञ है और हर्बल क्वीन के रूप में लोकप्रिय है

बिहार के हॉकी प्रशिक्षुओं को बॉल बॉयज और बॉल गर्ल्स की भूमिका के लिए प्रशिक्षण देते महानिदेशक

(जीएनएस)।

बिहार में हॉकी प्रशिक्षु हीरो एशिया कप 2025 के दौरान बॉल बॉय और गर्ल्स के रूप में सेवा करेंगे, जिससे उन्हें मूल्यवान अनुभव और कौशल प्राप्त होगा। उनकी भागीदारी टूनार्मेंट की सफलता के लिए महत्वपूर्ण मानी जाती है।

बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक–सह–सीईओ श्री रवीन्द्रन शंकरण ने आज बिहार के हॉकी प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए उन्हें आगामी हीरो एशिया कप राजगीर 2025 के दौरान बॉल बॉयज और बॉल गर्ल्स के रूप में निभाई जाने वाली भूमिका की जानकारी दी। उन्होंने

प्रशिक्षुओं को बताया कि इस अंतरराष्ट्रीय टूनार्मेंट के दौरान उनकी भागीदारी कितनी महत्वपूर्ण और गरिमामयी होगी।

हीरो एशिया कप 2025 का आयोजन 29 अगस्त से 7 सितंबर 2025 तक राजगीर, बिहार में होने जा रहा है, जिसमें एशिया की प्रमुख पुरुष हॉकी टीमें हिस्सा लेंगी। इस ऐतिहासिक आयोजन की सफलता में स्थानीय प्रशिक्षुओं की भूमिका भी अहम मानी जा रही है।

श्री शंकरण ने अपने संबोधन में कहा: "बिहार के प्रशिक्षुओं को यह अवसर मिलना गर्व की बात है। इस टूनार्मेंट के माध्यम से वे अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल व्यवस्था को नजदीक से समझ पाएंगे और उनके भीतर ज़िम्मेदारी, अनुशासन और आत्मविश्वास का विकास होगा। बॉल बॉयज और बॉल गर्ल्स की भूमिका में वे आयोजन का अभिन्न हिस्सा बनेंगे।" राज्य खेल प्राधिकरण द्वारा इन प्रशिक्षुओं को विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है, जिससे वे टूनार्मेंट के दौरान अपने दायित्वों को पूरी कुशलता और अनुशासन के साथ निभा सकें।

एशिया कप में भारत-पाकिस्तान के बीच 3 बड़े विवाद, मैदान पर भिड़ गए थे खिलाड़ी

(जीएनएस)।

आईसीसी इवेंट्स के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट में अगर किसी बड़े टूनार्मेंट की बात आती है, तो वह एशिया कप है। इसमें एशिया की कुछ टीमों के बीच घमासान होता है। एशिया कप का आयोजन लगभग 40 सालों से हो रहा है। भारत, श्रीलंका और पाकिस्तान को ज्यादातार मौकों पर टाइटल जीतने का मौका मिला है।

इंटरनेशनल क्रिकेट में किसी न किसी तरह से विवाद भी होते हैं। एशिया कप भी इससे अलग नहीं है। इस इवेंट के दौरान भी कई विवाद देखने को मिले हैं। इसमें भारतीय क्रिकेट टीम भी शामिल रही है। ऐसे ही तीन बड़े विवादों के बारे में आपको जानना चाहिए, जो इस प्रतिष्ठित टूनार्मेंट में हुए हैं।

ं२ू४स्र

हरभजन बनाम शोएब अख्तर (2010)

2010 के एशिया कप में हरभजन सिंह ने शोएब अख्तर की गेंद पर एक अहम छक्का जड़ा, जिससे भारत की जीत तय हुई। इसके बाद दोनों

खिलाड़ियों के बीच तीखी नोकझोंक हुई। मैदान पर माहौल बेहद तनावपूर्ण था, और दोनों के बीच गर्मागर्म शब्दों का आदान–प्रदान देखने को मिला, हरभजन ने टीम इंडिया को जीत दिलाई थी।

गौतम गंभीर बनाम कामरान अकमल (2010)

कामरान अकमल ने गंभीर के आउट होने की जोरदार अपील की, लेकिन अंपायर ने उन्हें नॉट–आउट दिया। गंभीर ने इस पर आपत्ति जताई और अकमल से तीखी बहस हो गई। तब एमएस धोनी और अंपायरों को हस्तक्षेप करके मामला शांत करना पड़ा। गंभीर पाकिस्तानी प्लेयर्स के खिलाफ गुस्से वाले मूड में होते थे। कामरान अकमल जानबूझकर भारतीयों से भिड़ने की कोशिश में होते थे। इशांत शर्मा के साथ भी एक बार उनका टकराव हुआ था।

हाइब्रिड मॉडल विवाद (भारत–पाकिस्तान, 2023)

2023 एशिया कप की मेजबानी पाकिस्तान को सौंपी गई थी, लेकिन भारत ने सुरक्षा और राजनीतिक कारणों से पाकिस्तान में खेलने से मना कर दिया। इसके बाद एशियन क्रिकेट काउंसिल (अउउ) ने टूनार्मेंट के लिए हाइब्रिड मॉडल अपनाया, जिसके तहत कुछ मैच पाकिस्तान में और बाकी श्रीलंका में खेले गए।

बिग बॉस 19 की वो कंटेस्टेंट जो घर के अंदर ले गई 800 से ज्यादा साड़ियां, दिन में इतनी बार बदलने की है प्लानिंग

(जीएनएस)।

बिग बॉस 19 शुरू हुआ और धमाका होना शुरू हो गया। शो के हर कंटेंस्टेट की चर्चा हो रही है, लेकिन तान्या मित्तल कुछ ज्यादा ही खबरों में हैं। कभी अपने कपड़ों के लिए, तो कभी अपने बयानों की वजह से। लेकिन तान्या इस बार अपनी लग्जरी लाइफस्टाइल और साड़ियों को लेकर सुर्खियां बना रही हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक 25 साल की विजनेसवुमेन तान्या मित्तल अधिकतर समय वो साड़ी ही पहने हुए नजर आती हैं। उनकी वीडियोज और रील भी ऐसे ही वायरल हो रही हैं। अब हाल ही में उन्होंने साडियों को लेकर एक खुलासा किया है। हैंडल बिग बॉस तक ने एक पोस्ट शेयर किया। इसमें उन्होंने लिखा, तान्या का कहना है कि वो अपनी लग्जरी लाइफ को पीछे नहीं छोड़ रही हैं। मैं अपने सारे गहने, एक्सेसरीज और 800 से ज्यादा साड़ियां घर के अंदर ले जा रही हूं। मैं हर दिन कम से कम 3 बार साड़ियां बदलूंगा। इसके लिए मैंने अपनी साड़ियां भी तय कर ली हैं।

इसके बाद फिर तान्या सोशल मीडिया ट्रोल्स के निशाने पर आ गई हैं। साथ ही कई सारे मीम भी बन रहे हैं। बिग बॉस 19 के घर में गए तान्या को महज 3 हुए हैं। लेकिन वो लोगों को पसंद नहीं आ रही हैं। इसी वजह से इस बार उन्हें काफी लोगों ने नॉमिनेट किया है। बता दें, तान्या ने बिग बॉस के घर में दावा करते हुए कहा, मेरे साथ हमेशा बॉडीगार्ड रहते हैं। मुझे उनके साथ चलना काफी पसंद है। मेरे बॉडीगार्ड्स ने कुंभ मेले में 100 लोगों और पुलिसवालों को बचाया, उसी वजह से मैं यहां तक (बिग बॉस 19) पहुंची हूं। उनके इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने उन्हे ट्रोल करना शुरू कर दिया है। इतना ही नहीं उन्हें लोग चापलूस और मौका परस्त तक कह रहे हैं। कुछ लोग उन्हें 'मिस ओवरएक्टिंग की दुकान' जैसे नाम दे रहे हैं।

तान्या का जन्म 27 सितंबर, 2000 (मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार) को ग्वालियर, मध्य प्रदेश में हुआ। उन्होंने शुरूआती पढ़ाई यहीं से पूरी की। इसके बाद उन्होंने चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी का रुख किया और यहां से आर्किटेक्टर की पढ़ाई की। तान्या के मुताबिक वो सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर, एंटरप्रेन्योर, पॉडकास्टर, मोटिवेशनल स्पीकर और पूर्व मॉडल भी हैं।

घबराने की जरूरत नहीं है', टैरिफ पर भारत और अमेरिका में बातचीत के खुले हैं रास्ते

(जीएनएस)।

अमेरिका और भारत के बीच टैरिफ शुल्क को लेकर पिछले कई दिनों से तनाव चल रहा है। भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक संबंधों में तनाव के बावजूद, सरकारी सूत्रों ने 27 अगस्त 2025 (बुधवार) को भरोसा दिलाया है कि द्विपक्षीय बातचीत के रास्ते खुले हुए हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा इंडियन प्रोडक ट पर 50 प्रतिशत तक टैरिफ लगाए जाने के बाद, भारत सरकार लगातार स्थिति को संभालने का प्रयास कर रही है। एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि भारत सरकार वस्त्र निर्यात को बढ़ावा देने के लिए 40 देशों में एक विशेष संपर्क कार्यक्रम शुरू करने की योजना बना रही है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब आज से भारतीय वस्त्र उत्पादों पर अमेरिका द्वारा 50% टैरिफ लगाया जा चुका है।

ध्यान रहे, बुधवार से अमेरिका ने कुछ क्षेत्रों को छोड़कर भारत से होने वाले वस्तुओं के निर्यात पर 50 प्रतिशत तक शुल्क लागू कर दिया है। इसके बावजूद, सरकारी सूत्रों ने स्पष्ट किया कि टैरिफ विवाद को सुलझाने के प्रयास जारी रहेंगे और दोनों देशों के बीच बातचीत के चैनल खुले हैं।

"टैरिफ वृद्धि से घबराने की कोई आवश्यकता नहीं"

सरकारी सूत्रों ने जोर देकर कहा कि इस टैरिफ वृद्धि से घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है। उनके अनुसार, दोनों देश एक अंतरिम व्यापार समझौते पर बातचीत चल रही है जो दोनों देशों के बीच चल रहे मौजूदा व्यापारिक विवादों को सुलझाने में मदद करेगा।

प्रभाव गंभीर नहीं होंगे

एनडीटीवी की रिपोर्ट के अनसुार सूत्रों ने यह भी कहा, "भारतीय निर्यात की विविध प्रकृति को देखते हुए (शुल्कों का) प्रभाव उतना गंभीर होने की संभावना नहीं है, जितना आशंका जताई जा रही है।" उन्होंने निर्यातकों को आश्वस्त करते हुए कहा कि यह स्थिति भारत और अमेरिका के बीच दीर्घकालिक संबंधों का एक अस्थायी चरण मात्र है।

ट्रम्प ने भारत के निर्यात पर लगाया 50 फीसदी टैरिफ

बता दें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत से आयात होने वाले सामानों पर पहले 25 प्रतिशत इसके बाद 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ की ऐलान किया था जिससे भारत से अमेरिका निर्यात किए जाने वाले भारतीय उत्पाद पर कुल टैरिफ 50 प्रतिशत हो गया है।

वहीं बुधवार को अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने बुधवार को भारत पर 50% का भारी व्यापार शुल्क लगाए जाने के बाद टिप्पणी की है कि यह उच्च दर केवल रूस से भारतीय तेल खरीद के कारण नहीं है, बल्कि व्यापार समझौते को लेकर चल रही लंबी बातचीत के कारण भी है।

अमेरिका बोला– "मुझे लगता है कि आखिरकार हम एक साथ आएंगे"

बेसेंट ने फॉक्स बिजनेस को दिए एक साक्षात्कार में कहा, "मैंने सोचा था कि मई या जून में हमारा एक समझौता हो जाएगा; कि भारत सबसे शुरूआती सौदों में से एक हो सकता है। लेकिन उन्होंने हमें टाल दिया।" उन्होंने यह बात रूस से कच्चे तेल की खरीद पर अतिरिक्त, "दंडात्मक" 25% शुल्क लागू होने के कुछ ही घंटों बाद कही।

बेसेंट ने अमेरिका–भारत संबंधों पर टिप्पणी करते हुए कहा, "मुझे लगता है कि आखिरकार हम एक साथ आएंगे।" उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।

बेसेंट ने यूक्रेन के साथ रूस के युद्ध के बावजूद अन्य देशों द्वारा भी रूस से तेल खरीदने के तर्क को भारत द्वारा खारिज करने पर पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए ये टिप्पणियां कीं। एचटी की रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने बातचीत के लिए अपने दरवाजे खुले रखे हैं, लेकिन कृषि और छोटे निमार्ताओं जैसे क्षेत्रों पर कुछ 'रेड लाइन' (अंतिम सीमाएं) तय की हैं।

'ट्रम्प और मोदी के बीच अच्छे संबंध हैं'

उन्होंने अपने जवाब की शुरूआत यह कहते हुए की, "यह एक बहुत ही जटिल संबंध है। राष्ट्रपति ट्रम्प और प्रधान मंत्री मोदी के बहुत अच्छे संबंध हैं।" फिर उन्होंने बातचीत की गति का उल्लेख किया। इस सप्ताह अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल ने नई दिल्ली का दौरा करने की योजना रद्द कर दी थी, जो बातचीत का छठा दौर होने वाला था।

अवध शिल्प ग्राम में फूड एंड बेकरी एक्सपो 2025 का उद्घाटन 29 अगस्त को

लखनऊ, 27 अगस्त 2025 : लखनऊ में फूड एंड बेकरी एक्सपो 2025 का तीसरा संस्करण आयोजित होने जा रहा है। यह प्रदर्शनी 29 अगस्त से 31 अगस्त 2025 तक अवध शिल्प ग्राम, लखनऊ में होगी।

इस भव्य प्रदर्शनी का आयोजन एसजी फूडीज इन्फोटेक एलएलपी द्वारा किया जा रहा है तथा फूड इंडस्ट्रीज वेलफेयर एसोसिएशन (ऋक्ष्हअ) इसका सहयोग कर रहा है। यह प्रदर्शनी भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय (टरटए) द्वारा अनुमोदित है। इस प्रदर्शनी के आयोजन का उद्देश्य खाद्य एवं बेकरी क्षेत्र के उद्यमियों, स्टार्ट-अप्स और स्थापित कंपनियों को अपने नवीनतम उत्पाद, पैकेजिंग, तकनीक, मशीनरी और नवाचार प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करना है। प्रदर्शनी का उद्घाटन 29 अगस्त 2025 को प्रातः 11:00 बजे विशिष्ट अतिथियों और उद्योग जगत के नेताओं की उपस्थिति में होगा।

आयोजक श्री डॉ. गिरीश गुप्ता ने बताया कि "यह प्रदर्शनी न केवल उद्योग जगत बल्कि लखनऊ के लोगों के लिए भी लाभकारी होगी, जो अपनी मेहमाननवाजी और खाद्य संस्कृति के लिए जाने जाते हैं।"फूड एंड बेकरी एक्सपो 2025 की मुख्य विशेषताएँ इस प्रकार है। इस प्रदर्शनी मे खाद्य, बेकरी, पेय पदार्थ, पैकेजिंग और सहायक उद्योगों से देशभर के प्रमुख उद्यमी भाग ले रहे है।

टरटए सेक्टर पर विशेष फोकस रहेगा जिससे छोटे उद्योगों को सरकारी योजनाओं और सब्सिडी का लाभ मिलेगा। इ2इ नेटवर्किंग मीट का आयोजन 30 अगस्त 2025, सायं 7:00 बजे, डैमसन प्लम होटल, लखनऊ में किया जा रहा है।

रोजगार एवं कौशल विकास के अवसर, जिससे युवाओं को उद्योग जगत से जोड़ने का अवसर मिलेगा। यह प्रदर्शनी प्रतिदिन सुबह 10:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक दर्शकों के लिए खुली रहेगी। प्रवेश निःशुल्क है और यह उद्योग जगत के पेशेवरों, व्यवसायियों एवं छात्रों के लिए विशेष रूप से उपयोगी होगा।

पंजाब नैशनल बैंक ने अपनी पहली स्टार्टअप-केंद्रित शाखा का उद्घाटन किया

बैंक ने पात्र स्टार्टअप्स को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए एसटीपीआई के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

27 अगस्त, 2025 झ भारत के अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) ने भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली में अपनी पहली स्टार्टअप-केंद्रित शाखा का उद्घाटन किया है । स्टार्टअप इंडिया पहल के अनुरूप, इस शाखा का उद्देश्य उद्यमिता को बढ़ावा देना और बैंकिंग समाधान के सभी पहलुओं सहित सेवाओं के माध्यम से नवाचार का समर्थन करना है ।

उद्घाटन समारोह में माननीय मुख्य अतिथि श्री अरविंद कुमार, महानिदेशक, सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई), और प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, श्री अशोक चंद्र (पीएनबी) उपस्थित थे। इस अवसर पर एसटीपीआई के निदेशक श्री सुबोध सचान, एसटीपीआई के अतिरिक्त निदेशक श्री अंकेश कुमार, तथा पीएनबी और एसटीपीआई के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

इसके अलावा, पात्र स्टार्टअप्स को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए पीएनबी और एसटीपीआई के मध्य एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस सहयोग के अंतर्गत , एसटीपीआई बैंक के साथ इनक्यूबेटेड, ऑनबोर्डेड या ग्रेजुएटेड स्टार्टअप्स की एक चयनित सूची साझा करके एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, और पीएनबी की स्टार्टअप-केंद्रित योजनाओं और वित्तीय उत्पादों तक पहुँच को सुगम बनाने हेतु स्टार्टअप्स और वित्तीय संस्थानों के मध्य एक सेतु का काम करेगा।

इस अवसर पर बोलते हुए, प्रबंध निदेशक श्री अशोक चंद्र ने भारत की उद्यमशीलता संबंधी आकांक्षाओं का समर्थन करने के लिए पीएनबी की अटूट प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, "यह समर्पित स्टार्टअप शाखा, स्टार्टअप्स के लिए एक व्यापक और वन-स्टॉप बैंकिंग समाधान प्रदान करती है। एसटीपीआई के साथ बैंक का सहयोग वित्तीय समाधानों के लिए स्टार्टअप इकोसिस्टम को बढ़ावा देगा जिससे उभरते उद्यमियों के विकास को गति मिलेगी।"

एसटीपीआई के महानिदेशक श्री अरविंद कुमार ने पीएनबी की पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह सहयोग एसटीपीआई की तकनीकी विशेषज्ञता को पीएनबी की बैंकिंग उत्कृष्टता के संयोजन से स्टार्टअप्स के लिए एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करेगा।

बिजनौर में दर्दनाक हादसा, करंट लगने से 18 वर्षीय युवक की मौत

(जीएनएस)।

बिजनौर।

नहटौर थाना क्षेत्र के रुखडियो गांव में मंगलवार की रात करंट लगने से 18 वर्षीय छात्र आशीष कुमार की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद पूरे परिवार में कोहराम मच गया और गांव में मातमी सन्नाटा पसर गया।

जानकारी के अनुसार आशीष के पिता हेमराज रोज की तरह ई-रिक्शा चलाकर देर रात घर लौटे थे। रात करीब 9 बजे उन्होंने ई-रिक्शा को चार्जिंग पर लगाया। उसी दौरान आशीष टॉयलेट जाने के लिए उठा और अचानक उसका हाथ ई-रिक्शा से टच हो गया। रिक्शे में करंट उतरने के कारण वह बुरी तरह झुलस गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

आशीष एसएनएस एम इंटर कॉलेज में कक्षा 11 का छात्र था। परिजनों ने बताया कि वह पढ़ाई में होनहार था और भविष्य को लेकर सपने देख रहा था। परिवार में दो भाई और दो बहनें हैं। पिता हेमराज रिक्शा चलाकर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। बेटे की असमय मौत से परिवार पूरी तरह टूट गया है।

घटना की खबर मिलते ही गांव के लोग बड़ी संख्या में मृतक के घर पहुंच गए और परिजनों को ढांढस बंधाने की कोशिश की। वहीं पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

ईद मिलादुन्नबी का जश्न और शिक्षा का महत्व

लखनऊ में ऑल इंडिया मोहम्मदी मिशन की देखरेख में ईद मिलादुन्नबी के जश्न के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में, जामिया बहरुल उलूम फिरंगी महल में 12 दिवसीय जश्ने ईद मिलादुन्नबी का सिलसिला चल रहा है।

मौलाना अब्दुल कुद्दूस ने फरमाया कि जब पैगंबर मुहम्मद का जन्म हुआ था, तो रात जा रही थी और सुबह हो रही थी। उस समय तीन सफेद झंडे लगाए गए थे, एक काबा पर, एक पूर्व में और एक पश्चिम में। इसी कारण, रबीउल अव्वल के महीने में हम झंडे लगाकर खुशी मनाते हैं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि तालीम का हासिल करना हर छोटे-बड़े पर फर्ज है।

मौलाना तौसीफ ने लोगों से अपने घरों को साफ और सजाने, छतों पर झंडे लगाने और मिलाद शरीफ की महफिलें आयोजित करने का आग्रह किया, ताकि अल्लाह और उसके रसूल की रजा हासिल हो सके।

उन्होंने शिक्षा के महत्व पर विशेष बल दिया और कहा कि हमारे रसूल ने शिक्षा पर बहुत जोर दिया। उन्होंने कहा कि तालीम हासिल करने के लिए अगर चीन भी जाना पड़े तो जाओ, जबकि उस समय चीन का कोई अस्तित्व भी नहीं था।

मौलाना तौसीफ ने कहा कि हमें शिक्षा को प्राथमिकता देनी चाहिए, भले ही इसके लिए एक वक्त भूखा ही क्यों न रहना पड़े। उन्होंने यह भी कहा कि अपने बच्चों, पड़ोसियों और रिश्तेदारों को शिक्षा के प्रति जागरूक करना हम सब का फर्ज है, क्योंकि यह दुनिया और आखिरत दोनों के लिए फायदेमंद है।

मौलाना अफ्फान अतीक फिरंगी महली ने जानकारी दी कि 5 सितंबर को जुलूस-ए-मुहम्मदी निकाला जाएगा, जो मखदूम शाह मीना शाह की दरगाह से शुरू होकर ज्योतिबा फुले पार्क में एक जलसे में बदल जाएगा।

इस कार्यक्रम में कई प्रमुख लोगों ने भाग लिया, जिनमें सैयद इकबाल हाशमी, एडवोकेट मो आमिर और कारी शकील निजामी शामिल थे।

ड्रोन कैमरे से युवती का अश्लील वीडियो बनाने वाले युवक के विरुद्ध पुलिस अधीक्षक से लगाई न्याय की गुहार

अश्लील वीडियो डिलीट करने के एवज में युवक ने युवती से लज्जा भंग करने की मांग की

खखरेरू/ फतेहपुर थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली महिला ने पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देते हुए बताया कि 23 अगस्त को महिला की नाबालिक पुत्री बकरी चराने के लिए जंगल की तरफ गई हुई थी वहां पर नाबालिक पुत्री के पेट में अचानक दर्द होने से सौंच क्रिया करने वही सुनसान स्थान पर गए थी गांव का रहने वाला युवक राजू इंजीनियर पुत्र सूरजपाल के द्वारा ड्रोन कैमरे की मदद से युवती का सौंच क्रिया करते हुए अश्लील वीडियो बना लिया जैसे ही युवती को पता चला वह राजू के पास जाकर वीडियो डिलीट करने के लिए कहा युवक के द्वारा युवती को ब्लैकमेल करते हुए इज्जत तार तार करने की मांग किया महिला ने बताया कि पुत्री जंगल से वापस आकर अपने साथी पूरी घटना घर पर बताया पति के बाजार से वापस आने पर महिला आरोपी युवक के घर पर उलाहना देने के लिए गए जहां पर युवक ने इंटरनेट में युवती का अश्लील वीडियो डालने की धमकी देते हुए छत पर चढ़कर ईद और पत्थर मारने लगा जिसमें से एक पत्थर पीड़ित युवती के मां के पेट में लगा जिस महिला का रक्त श्वाव होने लगा महिला ने घटना के तुरंत बाद डायल 112 को सूचित किया इसके बाद स्थानीय थाने में तहरीर देकर घटना की पूरी जानकारी महिला के द्वारा दी गई महिला ने बताया कि युवक दबंग प्रवृत्ति का व्यक्तिहै इसके खिलाफ गांव में कोई भी व्यक्ति गवाही देने के लिए तैयार नहीं होता है युवक ने महिला के पति को बलात्कार अवैध असलहा रखने का झूठा आरोप लगाकर फसाने की खुलेआम धमकी दे रहा है पुलिस के द्वारा दोनों पक्षों को थाने बुलाने पर आरोपी युवक थाने में महिला को धमकाते हुए बोला कि थाने के अंदर कोई ऐसा कमरा नहीं है जहां पर बैठकर मैं दारु ना पिया हूं बाहर निकाल तुझे और तेरी लड़की को जान से मार दूंगा। घटना के संबंध में पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मामले की जांच के लिए खखरेरु रत्नड को निर्देशित किया गया है

आलमबाग में कानून को खुली चुनौती देती है एक महिला, और पुलिस बनी मूक दर्शक

लखनऊ। आलमबाग की सड़कों पर इन दिनों एक अजीब ही मंजर देखने को मिल रहा है। जहां एक तरफ कानून व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी पुलिस के कंधों पर है, वहीं दूसरी तरफ सुधा नाम की एक महिला खुलेआम गांजा बेचकर इस व्यवस्था को मुंह चिढ़ा रही है। ऐसा लगता है मानो उसने कानून को अपनी जेब में रख लिया हो और पुलिस को चुनौती देना उसका रोज का काम हो।

ये कोई छोटी-मोटी चोरी या छीना-झपटी का मामला नहीं है। यह खुलेआम, सरेराह चल रहा एक अवैध धंधा है, जिसके बारे में शायद बच्चा-बच्चा जानता है। लेकिन आलमबाग पुलिस, जो अक्सर छोटे-मोटे मामलों में बड़ी मुस्तैदी दिखाती है, इस मामले में न जाने क्यों मौन धारण किए हुए है। क्या पुलिस को यह दिखाई नहीं देता? या फिर जानबूझकर अनदेखी की जा रही है?

सवाल कई हैं और जवाब मिलना बाकी है। जब एक साधारण नागरिक ट्रैफिक नियम तोड़ता है, तो तुरंत चालान कट जाता है। जब कोई छोटी सी गलती करता है, तो पुलिस तुरंत एक्शन लेती है। लेकिन यहां तो एक महिला खुलेआम अवैध धंधा चला रही है और पुलिस सिर्फ तमाशा देख रही है। यह आलमबाग पुलिस की कार्यशैली पर एक बड़ा सवालिया निशान है।

अब देखना यह होगा कि क्या आलमबाग पुलिस अपनी कुंभकर्णी नींद से जागेगी और इस 'सुधा' राज को खत्म करेगी, या फिर यह चुनौती यूं ही जारी रहेगी। यह सिर्फ गांजे की बिक्री का मामला नहीं है, बल्कि यह कानून के राज और पुलिस की विश्वसनीयता का भी मामला है। क्या पुलिस अपनी साख बचा पाएगी? वक्त ही बताएगा।

घरेलू विवाद से था परेशान, आठ दिन बाद पेड़ से लटका मिला युवक

(जीएनएस)।

बिजनौर।

स्योहारा क्षेत्र के ग्राम सद्दो बेर बैरखा में बुधवार को उस समय हड़कंप मच गया जब खो नदी के किनारे जंगल में ग्रामीणों ने एक युवक का शव पेड़ से लटका देखा। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुँची और शव को पेड़ से उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतक की पहचान गाँव के ही सोनू (32) पुत्र शोनाथ के रूप में हुई है।

परिजनों के अनुसार सोनू बीते आठ दिन से लापता था। 19 अगस्त को उसके लापता होने की गुमशुदगी रिपोर्ट परिजनों ने थाने में दर्ज कराई थी। ग्रामीणों का कहना है कि मृतक का अपनी पत्नी से लंबे समय से विवाद चल रहा था और इसी पारिवारिक कलह के चलते वह तनाव में रहता था।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत होता है। हालांकि वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु की सही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। वहीं घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है।

जिला गन्ना अधिकारी कार्यालय में किसानों ने किया ताला बंद आंदोलन

(जीएनएस)।

बिजनौर।

गन्ना किसानों का आंदोलन बुधवार को तीसरे दिन भी जारी रहा। भारतीय किसान यूनियन (लोक शक्ति) के बैनर तले किसान जिला गन्ना अधिकारी कार्यालय परिसर में धरने पर डटे हुए हैं। बुधवार को आक्रोशित किसानों ने कार्यालय के कमरों में ताला लगाकर कर्मचारियों को बाहर निकाल दिया, जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया।

किसानों की प्रमुख मांगों में बिलाई चीनी मिल का बकाया गन्ना भुगतान जल्द किए जाने, सभी चीनी मिलों में समान रकबा आवंटन सुनिश्चित करने और गन्ने का मूल्य 500 रुपये प्रति क्विंटल तय करने की माँग शामिल है। आंदोलनरत किसानों ने कहा कि लगातार बढ़ती महंगाई और लागत के मुकाबले उन्हें पर्याप्त दाम नहीं मिल रहा, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति बिगड़ती जा रही है।

भारतीय किसान यूनियन (लोक शक्ति) के जिला अध्यक्ष वीर सिंह सहरावत ने आरोप लगाया कि शासन-प्रशासन किसानों की समस्याओं को नजरअंदाज कर रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक मांगें पूरी नहीं होंगी, तब तक धरना अनवरत जारी रहेगा।

धरने में दर्जनों किसान दिन-रात डटे हुए हैं। किसानों का कहना है कि यदि प्रशासन ने उनकी बातों पर गंभीरता से विचार नहीं किया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

जब से लिया है इश्क के मकतब में दाखिला...

लखनऊ। यू पी प्रेस क्लब व उ प्र साहित्य सभा द्वारा आज 160 वां सृजन सम्मान दिया गया। महेश गुप्त महेश के संयोजन में प्रेस क्लब के अध्यक्ष रविन्द्र सिंह, उ प्र पत्रकार यूनियन के अध्यक्ष हसीब सिद्दीकी, स्माइलमैन सर्वेश अस्थाना व डॉ सुभाष गुरुदेव ने सृजन हिंदी सम्मान से श्री रविन्द्र प्रतापगढ़ी को व सृजन उर्दू सम्मान से जनाब अज्म गोंडवी को सम्मानित किया गया।

तत्पश्चात निशा नवल की वाणी वंदना के साथ शुरू हुये काव्य समारोह मेंअज्म गोंडवी ने खूबसूरत गजल पेश की-

मसला नही है ये कि हुआ या नही हुआ

पर जैसा तुमने कहा था वैसा नही हुआ

जबसे लिया है इश्क के मकतब में दाखिला

वो है कशिश कि एक भी नागा नही हुआ।

इसके साथ सत्यदेव सिंह, डॉ रुद्रमणि, बलवंत सिंह, रश्मि शरद, दुर्गेश अवस्थी दिल्ली, सुभाष रसिया, पूजा श्रीवास्तव, शीला वर्मा मीरा, सच्चिदानंद तिवारी शलभ, महेश अस्थाना, गोपाल ठहाका, कैलाश पुंज, चंद्रदेव दीक्षित, खुशीराम बाजपेयी, मुकेश मिश्र, श्रीश दीक्षित, डॉ अवधी हरि, अखिल श्रीवास्तव, शकुंतला श्रीवास्तव, योगी योगेश शुक्ल, मनमोहन बारकोटी, भ्रमर बैसवारी, दिव्या शुक्ला, संतोष सिंह , अरविंद झा, पुष्पेंद्र प्रेमी, पं रवीश पांडेय, कुलदीप शुक्ल, अर्श लखनवी, अरविंद धवल,नेहा शिवम सक्सेना, डॉ सुरभि सिंह, सुनील मेहरोत्रा, राकेश बाजपेयी, उमा लखनवी व नरेंद्र सिंह आदि ने काव्य पाठ किया।

हे मां मेडिको का मायाजाल, नकली दवाओं का सौदागर रिश्वत देकर भी रंगे हाथों धरा गया!

(जीएनएस)।

लखनऊ की सैर करें तो जरा आगरा की ओर भी नजर डालिए, जहां यूपी एसटीएफ ने एक ऐसा मेडिकल मसीहा पकड़ा है, जिसने हे मां के नाम पर नकली दवाओं का धंधा खड़ा कर रखा था। जी हां, हम बात कर रहे हैं हिमांशु अग्रवाल की, जो 'हे मां मेडिको एजेंसी' के मालिक हैं। लेकिन मां की कृपा इन पर कम पड़ी, और कानून की लाठी ने इन्हें सीधे हवालात का रास्ता दिखा दिया।

बात उस दिन की है जब यूपी एसटीएफ और खाद्य सुरक्षा व औषधि प्रशासन (एफएसडीए) की टीम ने हिमांशु के आगरा स्थित गोदाम पर छापा मारा। अब छापा मारा तो गोदाम में दवाएं ऐसी मिलीं कि लगे जैसे कोई मेडिकल स्टोर नहीं, बल्कि नकली दवाओं का पूरा कारखाना चल रहा हो। जायडस, ग्लेनमार्क, सन फार्मा, बड़े-बड़े ब्रांड्स की नकली दवाएं, जिनकी कीमत ₹3.32 करोड़ आंकी गई। ये दवाएं देखकर तो एसटीएफ की आंखें भी चमक उठीं, लेकिन हैरानी से, न कि लालच से।

अब कहानी में ट्विस्ट आता है। जब एसटीएफ ने हिमांशु का कॉलर पकड़ा, तो जनाब ने सोचा कि पैसों की चमक से कानून की आंखों में धूल झोंक देंगे। बिल्कुल बॉलीवुड स्टाइल में, जेब से ₹1 करोड़ की रिश्वत का ऑफर ठोक दिया। मानो कह रहे हों, लो भैया, ये नोटों का बंडल रखो, और हमें चुपचाप निकल जाने दो। लेकिन भई, ये यूपी एसटीएफ है, कोई फिल्मी सेट नहीं, जहां स्क्रिप्ट पलट जाए। इंस्पेक्टर यतींद्र शर्मा और असिस्टेंट ड्रग कमिश्नर नरेश मोहन दीपक ने जाल बिछाया, और हिमांशु को रिश्वत देते हुए रंगे हाथों धर लिया। इतने नोट थे कि गिनने के लिए मशीनें मंगवानी पड़ीं, सोचिए, क्या सीन रहा होगा!

हिमांशु का धंधा भी कम दिलचस्प नहीं। हे मां के नाम पर नकली दवाएं बेचकर ये जनता की जिंदगी से खिलवाड़ कर रहे थे। लगता है, मां की कृपा के भरोसे ही ये सोच रहे थे कि सब कुछ चुपके-चुपके चलता रहेगा। लेकिन भूल गए कि मां की असली कृपा तो सच के साथ होती है, और यहां तो कानून की मां ने इनकी अच्छी खबर ली।

अब जांच का दायरा बढ़ रहा है। हवाला कनेक्शन की बात सामने आ रही है, और आयकर विभाग भी हिमांशु की अघोषित संपत्तियों की तलाश में जुट गया है। मेरठ कोर्ट ने इन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया, और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम व ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट के तहत मामला दर्ज हो चुका है।